श्री शत्रुंजय - मुक्ति सम्यग्ज्ञान अभ्यासक्रम

तृतीय वर्ष - अभ्यास - ६

नवम्बर २०२१

गुणांक - १००

प्रश्न - पत्र

सूचना : १. नाम और एनरोलमेंट नंबर बिना का पेपर रद्द किया जायेगा । २. लाल स्याही के पेन का उपयोग न करें । ३. समझ में न आये ऐसे अक्षरों वाले जवाब पत्र जांचे नहीं जायेंगे । ४. जवाब पत्र में ही योग्य खाने में जवाब लिखना है, साथ में दूसरा पेपर जोडना नहीं है, जोडने पर तीन मार्क्स काट लिये जायेंगे । ५. जवाब पत्र हर महिने की ता. २५ तक भेजना जरुरी है, आगे-पीछे आए पेपर जांचे नही जायेंगे । ६. सभी जवाब अभ्यासक्रम के आधार पर ही लिखना है । ७. जिस महिने का प्रश्न पत्र है, उसके बाद के महिने की २५ ता. को आपके मार्क्स तथा सही उत्तर इन्टरनेट पर दे दिये जायेंगें, उसके बाद आए हुये उत्तर पत्र स्वीकृत नहीं होंगे तथा फोन पर जवाब नहीं दिया जायेगा । ८. उत्तर पत्र में अभ्यासक्रम का नंबर लिखना जरुरी है ।

प्रश्न नं. १ रिक्त स्थान की पूर्ति करो - २०

१. प्रवृति योग से..... की प्राप्ति होती है ।
२. सिद्धसेन दिवाकर सूरि को..... प्रायश्चित श्री संघ ने दिया ।
३. पदार्थ का विशेष धर्म का उपयोग व्यापार वह..... है ।
४. ..... को जीतने से मन को जीता जाता है ।
५. मयुर पंडित ने हाथ पैर की छेदी हुई ऊंगलियों को ..... देवी से वर मांग कर ठीक कराई ।
६. अग्निकाय का आयुष्य..... का होता है ।
७. सुख पाने के हेतु से कराई गई प्रत्येक धार्मिक क्रिया..... कहलाती है ।
८. जिनके घर घर में ..... पुजाते हैं उन्हें सदा शांति ही रहती है ।
९. सभी उपयोग ..... को होते हैं ।
१०. आठवें गुणस्थान में पहोंचे हुए साधु का ..... में प्रवेश होता है ।
११. विष अनुष्ठान का आचरण करते वक्त..... का नाश होता है ।
१२. अवंति सुकुमाल..... विमान से आये थे और उसी विमान में पुनः गये ।
१३. श्री नगरजनों को शांति हो..... को शांति हो ।
१४. पृथ्वीकायादि दस पदो की ..... से आयुष्य स्थिति अंतर्मुहुर्त होती है ।
१५. ..... याने विविध प्रकार के तर्को से युक्त है ।
१६. स्कंदिलाचार्य के गुरु का नाम..... था ।
१७. आत्महित और संपति को प्राप्त कराने वाला श्री शांतिनाथ का ..... जय पाता है ।
१८. क्षपक श्रेणी वाले साधक को केवलज्ञान प्राप्ति में नियम से ..... की ही मुख्यता है ।
१९. बहन के ..... से बाण कवि कोढी बने ।
२०. एक समय में अनंत जीवों का च्यवन और उपपात..... में होता है ।

प्रश्न नं. २ एक शब्द में जवाब लिखो - १५

१. अत्यंत ऊच्च कक्षा में पहुंचे हुए साधु महात्मा को कौनसा अनुष्ठान होता है ।
२. श्री शांतिनाथ भगवान किसे धर्म का उपदेश देते है ?
३. क्षपक श्रेणी वाले शुक्लध्यान में प्रवेश करते मुनि कौन सा आसन दृढ करते हैं ?
४. एक गति में जीव के रहने का समय, वह क्या कहलाता है ?
५. चित्तोड के स्तंभ के ग्रंथ में से सिद्धसेन दिवाकर को प्रथम कौन सी विद्या प्राप्त हुई ?
६. ध्यान की शुद्धि के लिये दृष्टि को किसके अग्रभाग पर स्थिर करना चाहिये ?
७. बाण और मंयुर पंडित का परस्पर क्या संबंध था ?
८. मन और पवन के वेग का नाश करने से किस पर जीत पा सकते है ?
९. अध्यवसाय शुन्य, संमुर्च्छिम जीवों जैसी क्रिया को क्या कहते है ?
१०. चमत्कार दिखा कर जिन शासन की प्रभावना करने श्री मानतुंगसूरि ने हृदय में किसे स्थापित किया ?
११. विकलेन्द्रिय की जघन्य स्थिति कितनी ?
१२. विव्दद मंडली को प्राचिन कालमें किस रुप में पहचाना जाता था ?
१३. क्षपक श्रेणी पर आरुढ योगी किसके साथ युद्ध करने के लिये सज्ज होते है ।
१४. संसार के भवभ्रमण से वैराग्य अथवा कंटाले को क्या कहते है ?
१५. भरुच की राज्यसभा में कौन जीता ?

प्रश्न नं. ३ नीचे दिये गये शब्दों के अर्थ लिखो - १०

१) लघुकर्मणः २) ठिइया ३) रिष्ट ४) सग्ग ५) स्कंध ६) अहिय ७) समाकृष्य ८) व्याहरेत ९) तित्तीसा १०) उन्मृष्ट ११) मे १२) पण १३) पलियं १४) धीः १५) येषाम् १६) पयाणं १७) दिशतु १८) उवओग १९) जहन्न २०) संखा

प्रश्न नं. ४ जोडियाँ लगाओ (सिर्फ 'B' के नंबर लिखो) - १०

A	B	A	B
१) इच्छायोग	१) श्री पार्श्वनाथ	६) आहुति त्रयम्	६) अनुकंपा
२) शुक्लध्यान	२) वृद्ध वादिसूरि	७) सिद्धासन	७) प्राणायाम
३) वीर द्वात्रिंशिका	३) पर्यंकासन	८) सरस्वती प्रसन्न	८) यशोविजयजी
४) उपपात	४) च्यवन	९) कर्म विजेता	९) वज्रऋषभ नाराच संघयण
५) अध्यात्मसार	५) क्षपकश्रेणी	१०) आडंबर	१०) सिद्धसेन

प्रश्न नं. ५ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संख्या में लिखो - १०

१. आठवें गुणस्थानक में प्रवेशते जीव को कितनी कर्मप्रकृति सत्ता में होती है ?
२. श्री संघ ने सिद्धसेन दिवाकर को कितने महिनो के पश्चात फिर से गच्छ में लिया ?
३. नौ उपयोग कितने दंडक में होता है ?
४. सद्अनुष्ठान के भेद कितने ?
५. अवंती सुकुमाल की माता ने कितनी बहुओं के साथ दीक्षा ली ?
६. चउरिन्द्रिय को कितने उपयोग होते है ?
७. शांतिनाथ भगवान मुझे शांति दो ऐसी प्रार्थना कितनावी गाथा में की गई है ?
८. तीन योग वाले साधु को कितने विशेषणों से युक्त शुक्लध्यान होता है ?
९. पूरक प्राणायम करते साधु चारों और से कितने अंगुल में से हवा को खिंचते हैं ?
१०. कल्याण मंदिर का कितनावा श्लोक बोलते अवंति पार्श्वनाथ प्रकट हुए ?

प्रश्न नं. ६ नीचे के वाक्य सही (✓) हैं या गलत (×) बताओ - १०

१. पृथ्वीकाय के जीवों को चक्षु दर्शन होता है ।
२. सिद्धी योग से प्रथमभाव की प्राप्ति होती है ।
३. सिद्धसेन की माता का नाम देवश्री था ।
४. इस लोक की किसीभी इच्छा से किया गया धार्मिक अनुष्ठान गरअनुष्ठान कहलाता है ।
५. वायुकाय का आयुष्य सात हजार वर्ष का है ।
६. आहार आसन निद्रा और इच्छा इन चार को जीते वही ध्यान कर सकता है ।
७. असंज्ञी मनुष्य एक समय में असंख्याता उत्पन्न होते है ।
८. सामायिक, चउविसत्यो,व ंदन यह भक्ति अनुष्ठान है ।
९. एडी से अपानद्वार को दबाकर वायु को उपर खींच लेना उसे मूलबंधन कहते हैं ।
१०. व्यंतर देवों का उत्कृष्ट आयुष्य एक लाख वर्ष का होता है ।

प्रश्न नं. ७ नीचे के वाक्य किस पृष्ठ पर है वह पृष्ठ नंबर लिखो - १०

१. आत्मा का सच्चा लक्ष परमात्म पद की प्राप्ति होना चाहिये ।
२. इस बुजुर्ग वृद्ध ने इस जवान को जीता जीता जीता ।
३. श्वासोश्वास का नियमन आध्यात्मिक विश्व में विशिष्ट स्थान रखता है ।
४. एक समय में संख्यात असंख्याता और अनंत जीवों के जन्म मरण होते हैं, ऐसे कितने भव हम करके आये होंगे ।
५. तृष्णा और इच्छा जब उपशमित हो जाये, शांत बन जाये वहाँ साधक एकमात्र प्रशम रस में डूबा रहता है ।
६. ज्वर से पीडित आदमी जैसे मोदक खा नहीं सकता वैसे यह शिवलिंग मेरी की हुई स्तवना को सह ही नहीं पायेगा ।
७. मजबूत संघयण के बिना उच्च कोटि के शुक्लध्यान की संभावना ही कैसे हो सकती है ।
८. यह जोर जोर से बोलकर पूरा दिन रट रट करते हैं तो ये क्या मूशल फुलायेंगे ।
९. मोहनीय की सता प्रकृतियो का क्षय होता है, तब साधक क्षायिक सम्यकत्व प्राप्त करता है ।
१०. तथा न बाधते स्कंधो यथा बाधति बाधते ।

प्रश्न नं. ८ अपनी भाषा में समझाओ - १५

१. शासन प्रभावना का दृष्टांत २) शांतिनाथ प्रभाव ३) अमृतानुष्ठान ४) प्राणायाम
५. नारकी के जीवों में उपयोग द्वार घटावो ।

उत्तर पत्र नीचे लिखे पते पर भेजिए :
शत्रुंजय अेकेडमी श्री पद्मप्रभस्वामी जैन मंदिर, स्टेशन रोड, चालिसगाँव - ४२४१०१ जिल्हा : जलगांव,
मो. ९०२८२४२४८४. सही परिणाम और सही जवाब के लिये वेब साईट www.shatrunjayacademy.com